मंत्रिपरिषद् की एक कमेटी बना दी, मंत्रियों का एक समूह बना दिया, अलग-अलग समूह को अलग-अलग काम सौंपे

-54-

गये, वे वहॉं से अपने सुझाव देते थे फिर टीम-11 का गठन हम लोगों ने किया, वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की टीम बनायी, प्रतिदिन नियमित रूप से हम इसकी बैठक करते थे और नियमित रूप से बैठक करने का सिलसिला हमारा निरन्तर चल रहा है। आप देख रहे होंगे, उत्तर प्रदेश में ऐक्टिव केस केवल 2000 तक बचे हैं और हॉस्पिटल में संख्या 500 से भी कम है, मेडिकल कॉलेजेज में उससे भी कम संख्या है, रिकवरी रेट देश के अन्दर सबसे अच्छी है। मौत एक भी बुरी होती है लेकिन अगर मौत के आंकड़े देखेंगे तो पिछली बार मैंने दिल्ली का उदाहरण आपके सामने दिया था। अमेरिका, हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर दुनिया में सबसे अच्छा अमेरिका के पास है और यूरोप के पास है अगर आप इसकी तुलना करेंगे तो उसकी तुलना में उत्तर प्रदेश का हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर कहीं नहीं ठहरता। हम आभारी हैं प्रधानमंत्री मोदी जी के, जिनके मागदर्शन में कोविड-19 की इस लड़ाई को आगे बढ़ाया। हमने भारत सरकार से जो मांग की भारत सरकार हमें देती रही, एक-एक चीज में सहयोग करती रही। अलग-अलग विभाग, अलग-अलग मंत्रालय, अलग-अलग मंत्री अपने स्तर पर उस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते थे। प्रशासनिक अधिकारी अपने तरीके से काम करते थे, सबकी समीक्षा मैं स्वयं करता था लेकिन हरएक पूरी जवाबदेही के साथ काम करता था। कोविड-19 के दौरान भी हमारी बैठकों का सिलसिला नहीं समाप्त हुआ, विजिट का वह सिलसिला समाप्त नहीं हुआ, हम निरन्तर कार्य करते रहे, निरन्तर चलते रहे और उसका परिणाम था कि .....

1100/Rajesh/Manjit

SHRI LAVU SRI KRISHNA DEVARAYALU (NARASARAOPET): There is a recent judgement by the Supreme Court which has opened a Pandora's box with respect to how NCLT can admit an insolvency application. Added to this, it has also widely been reported that in 15 Benches across the nation, which are looking into NCLT, there has been almost 50 per cent vacancy until 2020. So, can the hon. Minister state the details of the members retiring in 2022, and the measures being taken to fill up these vacancies?

RAO INDERJIT SINGH: There are 62 posts in the NCLT, including one post of Chairman. Out of this, today, 30 posts are filled up and there is one Chairman of these 30 Benches. Sir, 15 posts of members became vacant, and in June the Chief Justice of India has taken interviews of a number of people to fill up these vacancies. Another 15 vacancies already exist. They have been advertised, and will be filled up as and when the Chief Justice of India takes interviews of the gentlemen who will apply for these posts.

PROF. SOUGATA RAY (DUM DUM): NCLT is the main organisation which decides on the IBC cases, that is Insolvency and Bankruptcy Code cases. IBC cases relate to companies which have gone into liquidation, which decides on the haircut and the compensation to be paid to debtors, and also to workers or employees of the company. As it is, 32 posts are still vacant, and only 76 per cent of the cases are being dealt with. Sir, 20,000 cases are pending.

****

1110/Manjit

श्री योगी आदित्यनाथ - .... क्योंकि हम बोलते हैं तो उससे ऊर्जा तो निकलती है, व्यक्ति की ऊर्जा एग्ज़ास्ट होती है और फिर नेता प्रतिपक्ष जब बोलते हैं वह अपने बलियाटिक भाषा में बोलते हैं तो वह अपनी एक निराली भाषा होती है। मान्यवर, वह एक अजीब सा वह था लेकिन जो तथ्य उन्होंने रखे हैं महोदय उसी पर हम लोग आने का प्रयास करेंगे और खास तौर पर कोरोना के बारे में। इस सदन का हर सदस्य इसके बारे में चिन्तित रहा है, कोविड प्रबन्धन में सहभागी रहा है, प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से उसने इसमें सहयोग किया है। सबसे पहले मैं इस पूरे सदन का इस बात के लिए आभार व्यक्त

करूंगा कि जब हमारे पास पैसे की कमी पड़ी तो हर एक सदस्य ने स्वेच्छा से सहभागी बन करके उसमें योगदान दिया है। अपने पास से, अपनी निधि से और जब सरकार ने कहा कि हरएक माननीय सदस्य अपने वेतन से भी कटौती करेगा, मंत्रीगण अपने वेतन से कटौती करेंगे और अपनी निधि से भी कटौती करेंगे या निधि को सरेंडर करेंगे तो किसी ने विरोध नहीं किया, सबने कहा कि प्रदेश को बचाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। एक भाव है हमारा, हम अपने लिए नहीं जियेंगे, इस प्रदेश की 24 करोड़ जनता को बचाने के लिए हमें कार्य करना है और कोविड प्रबन्धन का कार्य वहॉं से प्रारम्भ हुआ। आपने देखा होगा, किसी चीज की कमी नहीं होने दी। आप देखेंगे पहला जब पेसेंट आया था उत्तर प्रदेश में मार्च प्रथम सप्ताह में आगरा और गौतमबुद्धनगर में, टेस्टिंग की क्षमता हमारे पास उस समय जीरो थी। हमने मरीज को सफ्दरगंज, दिल्ली भेजा था, फिर हमने टेस्टिंग की क्षमता बढ़ानी प्रारम्भ की, हमारी पहली लैब के0जी0एम0यू0 में प्रारम्भ हुई 60 टेस्ट से और 60 से बढ़ाकर हम उसको 2 लाख प्रतिदिन ले करके गये हैं। तीन करोड़ से ज्यादा टेस्ट अब तक हम लोग कर चुके हैं, कोविड-19 के तीन करोड़ से अधिक टेस्ट अब तक सम्पन्न हो चुके हैं और यह देश के अन्दर सर्वाधिक है, सबसे ज्यादा है। आज भी सबसे अधिक टेस्ट हम कर रहे हैं, सवा लाख से डेढ़ लाख टेस्ट हमारे आज भी चल रहे हैं, फोकस टेस्टिंग लगातार चल रहे हैं। एक प्रक्रिया कि कैसे कार्य होना है, मुझे याद है जब कोविड प्रारम्भ हुआ था तो सबसे पहले जनता कफर्ृयू के दिन मेरे पास आदरणीय राष्ट्रपति जी का और आदरणीय उपराष्ट्रपति जी का फोन आया। उन्होंने कहा कि योगी जी कोविड आ चुका है, अब तो बहुत कठिन हो गया है, हम चिन्तित हैं यू0पी0 से कि यू0पी0 कैसे बचेगा, इतनी घनी आबादी का प्रदेश है। मैंने कहा कि आप चिन्ता मत कीजिये, हम लोग मिल करके यहॉं पर अच्छा कार्य करेंगे। हम लोगों ने उसी दौरान ही अपने मंत्रिपरिषद् की एक कमेटी बना दी, मंत्रियों का एक समूह बना दिया, अलग-अलग समूह को अलग-अलग काम सौंपे

1120/Rajesh

This is a training session